Sl. No.: 002

BHUPENDRA NARAYAN MANDAL UNIVERSITY

Laloo Nagar, Madhepura-852113 (Bihar)

Two Years

B. Ed.

Syllabus

Price: Rs.250/-

विश्वविद्यालय प्रेस, मधेपुरा

बैठक संख्या–01 की कार्यवृत्त

आज दिनांक–16.05.16 को विश्वविद्यालय पत्रांक–GS(P.V.C.O-043/15)-941/15 दिनांक–20.06.15 के आलोक में गठित बी0 एड0 पाठ्यक्रम समिति की बैठक मा0 प्रतिकुलपति महोदय की अध्यक्षता में उनके वैश्म में आयोजित की गई, जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए:–

01. डॉ0 आशुतोष कुमार	–ह0
02. डॉ0 कुमार सत्येन्द्र यादव	–ह0
03. डॉ0 राणा जयराम सिंह	–ह0
04. डॉ0 नरेश भोक्ता	–ह0
05. डॉ0 अजय कुमार सिंह	–ह0
06. डॉ0 बालगोविन्द सिंह	–ह0

समिति के अध्यक्ष–सह–प्रतिकुलपति ने मा0 सदस्यों को संबोधित करते हुए राज्यपाल से प्राप्त नामांकन अध्यादेश एवं परीक्षा परिनियम तथा विद्वत परिषद् की बैठक दिनांक–16.03.16 में लिए निर्णय के आलोक एवं मगध विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम पर लम्बे चर्चा–परिचर्चा के उपरांत निम्नलिखित निर्णय लिये गये:–

01. संगीत शिक्षण विधि का विषय नहीं रहा, क्योंकि यह विशेष अध्ययन विषय के रुप में चला गया।यदि छात्र या छात्राएँ इस विषय को मुख्य विषय के रुप में अध्ययन किया हो तो उसके शिक्षण विषय, सहायक विषयों से तय किया जायेगा।
02. समाजिक विज्ञान विषय के अर्न्तगत केवल इतिहास, राजनीति शास्त्र, भूगोल एवं अर्थशास्त्र ही होंगे।जिनमें से इतिहास या भूगोल में से एक तथा राजनीति शास्त्र एवं अर्थशास्त्र में से एक विषय स्नातक स्तर पर अनिवार्यतः होना चाहिए।
03. यदि सामाजिक विज्ञान का एक विषय मुख्य तथा दो अन्य सहायक विषय भी सामाजिक विज्ञान से ही है तो ऐसी स्थिति में मुख्य विषय पहला शिक्षण विषय के रुप में पढ़ना होगा तथा इसके साथ ही भाषा शिक्षण के रुप में उसे दूसरे शिक्षण विषय का अध्ययन करना होगा।
04. वैसे छात्र–छात्राओं जिन्होंने मुख्य विषय के रुप में समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, दर्शनशास्त्र एवं गृह विज्ञान में से कोई एक विषय मुख्य विषय के रुप में पढ़ा होगा तो उसे उसका पहला शिक्षण विषय भाषा(हिन्दी, , अंग्रेजी, संस्कृत एवं उर्दू) शिक्षण होगा।
05. वैसे छात्र–छात्राओं जिन्होंने मुख्य विषय के रुप में समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, दर्शनशास्त्र एवं गृह विज्ञान का अध्ययन किया हो तो उसे उसका पहला शिक्षण विषय प्रारंभिक शिक्षा एवं दूसरा शिक्षण विषय भाषा शिक्षण(हिन्दी, अंगेजी, संस्कृत एवं उर्दू होगा।
06. जिन छात्र–छात्राओं ने वाणिज्य में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है उनका पहला शिक्षण विषयों के प्रारुप को अनुमोदित किया गया तथा दूसरा शिक्षण विषय भाषा शिक्षण होगा।

चर्चा–परिचर्चा के उपरांत पाठ्यक्रम के अनिवार्य विषयों के प्रारुप को अनुमोदित किया गया एवं पाठ्यक्रम के शेष माँग पर परिचर्चा उपरांत अनुमोदन हेतु दिनांक–30.05.16 निर्धारित की गई।

बैठक की कार्यवाही 11 बजे दिन से शुरु की गई तथा संध्या 7:30 बजे अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार समाप्त करने की घोषणा की गई, जिससे सभी मा0 सदस्यों ने सहमति व्यक्त की।

बैठक संख्या–02 की कार्यवृत्त

आज पूर्व निर्धारित दिनांक–30.05.16 को पुनः मा0 प्रतिकुलपति–सह–प्रभारी कुलपति महोदय की अध्यक्षता में उनके वैश्म में बी0 एड0 पाठ्यक्रम समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए:–

01.	डॉ0 आशुतोष कुमार	–ह0
02.	डॉ0 कुमार सत्येन्द्र यादव	–ह0
03.	डॉ0 राणा जयराम सिंह	–ह0
04.	डॉ0 नरेश भोक्ता	–ह0
05.	डॉ0 अजय कुमार सिंह	–ह0
06.	डॉ0 बालगोविन्द सिंह	–ह0

समिति के अध्यक्ष–सह–प्रतिकुलपति ने मा0 सदस्यों को संबोधित करते हुए राज्यपाल से प्राप्त नामांकन अध्यादेश एवं परीक्षा परिनियम तथा विद्वत परिषद् की बैठक दिनांक–16.03.16 में लिए निर्णय के आलोक एवं मगध विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम पर लम्बे चर्चा–परिचर्चा के उपरांत निम्नलिखित निर्णय लिये गये:–

01. दोनों शिक्षण विषयों को दो समूहों प्रथम 7(a), जिसमें सभी भाषा शिक्षण, जीव विज्ञान शिक्षण और गणित शिक्षण तथा द्वितीय 7(b) शिक्षण विषय के अर्न्तगत प्राथमिक शिक्षा शिक्षण, सामाजिक विज्ञान–1 (इतिहास और नागरिक शास्त्र), सामाजिक विज्ञान–2 (भूगोल और अर्थशास्त्र), भौतिकीय विज्ञान एवं वाणिज्य को रखा गया है।

02. दो शिक्षण विषयों में से क्रमशः 7(a) प्रथम वर्ष के लिए तथा जिसमें सभी भाषा शिक्षण, जीव विज्ञान शिक्षण और गणित शिक्षण तथा द्वितीय 7(b) द्वितीय वर्ष के लिए निर्धारित किया गया। इसी क्रम में

यह भी स्पष्ट किया गया कि द्वितीय वर्ष के स्कूल इर्न्टनशिप कार्यक्रम में दोनों विषयों से बीस–बीस पाठ्य योजना का शिक्षण कार्य किया जाएगा।

03. स्कूल इर्न्टनशिप के अर्न्तगत 250(दो सौ पचास) अंको के वितरण में प्रथम वर्ष आंतरिक मूल्यांकन के लिए 50 (पचास) अंक तथा ब्राह्य मूल्यांकन के लिए कोई प्रावधान नहीं रखा गया है, जबकि द्वितीय वर्ष में आंतरिक मूल्यांकन के लिए 160 (एक सौ साठ) अंक तथा ब्राह्य मूल्यांकन के लिए 40 (चालीस) अंक का प्रावधान रखा गया है। ब्राह्य मूल्यांकन के अंक को दो शिक्षण विषयों के बीच बराबर–बराबर 20--20 (बीस–बीस) अंकों में बाँटने का प्रावधान किया गया।

04. पिछली बैठक के प्रस्ताव संख्या–01 को केवल शैक्षणिक सत्र–2015–2017 तक लागू माना जाएगा।

05. मगध विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम को विद्वत परिषद् की बैठक दिनांक–16.03.16 में लिये गये निर्णय के आलोक में मामूली संशोधन करते हुए भू0 ना0 मंडल विश्वविद्यालय में द्वि–वर्षीय बी0 एड0 पाठ्यक्रम को अनुमोदन हेतु विश्वविद्यालय को अग्रसारित किया जा रहा है।